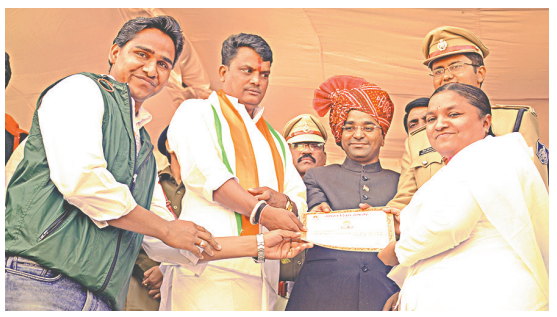

अलीराजपुर-म.प्र.। गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में समाज के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं हेतु राजयोगिनी ब्र.कु. माधुरी को सम्मानित करते हुए विधायक नागरसिंह चौहान, कलेक्टर गणेश शंकर मिश्रा तथा एस.पी. विपुल श्रीवास्तव।

महेश्वर-म.प्र.। 'स्वच्छता अभियान' कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में होलकर वंश के महाराजा श्रीमंत शिवाजीराव होलकर, बहू नायरिका होलकर, स्वच्छता अभियान के ब्रैंड एम्बैसेडर एवं होलकर वंश के युवराज यशवंतराव होलकर, नगर अधीक्षिका अमिता जैन, ब्र.कु. अनीता तथा अन्य।

देवास-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ इंदौर ज़ोन के पूर्व डायरेक्टर ओमप्रकाश भाई जी की द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित हैं विधायक एवं देवास की महारानी गायत्री राजे पंवार, महापौर सुभाष शर्मा, दुर्गेश अग्रवाल, मनीषा बापना, डॉ. अर्पणा, ब्र.कु. प्रेमलता तथा अन्य।

पाचोरा-महा.। 'पीस मैसेंजर बस अभियान यात्रा' के पाचोरा पहुँचने पर उसका स्वागत करते हुए नगराध्यक्ष छोटूभाई गोहिल, बिज़नेस विंग के मकुंदा भाई बिल्दीकर, ब्र.कु. हरीश,माउण्ट आबू, शिल्पा बहन, ब्र.कु. मीरा, ब्र.कु. मिनाक्षी तथा अन्य।

रतलाम-शास्त्रीनगर। नये रेलवे मण्डल अधिकारी आर.एन. सुनकर को ईश्वरीय संदेश देने के बाद ईश्वरीय पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. सविता।

भुज-कच्छ(गुज.)। कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज-खंभरा घटक में 'सरस्वती सम्मान और प्रादेशिक मीटिंग के उद्घाटन पश्चात् समूह चित्र में समाज के राष्ट्रीय सलाहकार प्रमुख कुंवरजी भाई, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनोदभाई सोलंकी, लघुराम भाई राठोड, बलराम जेठवा, प्रादेशिक प्रमुख ब्र.कु. बाबुभाई, ब्र.कु. रश्मी, ब्र.कु इला तथा अन्य।

जब ज्ञानोदय, तब अंधकार विनाश

- गतांक से आगे...

जिसके संस्कार सात्विक हैं वह आत्मा सतोप्रधान स्तर पर पहुँचकर सतोप्रकृति वाला शरीर धारण करती है। इसलिए जीवन के अंदर कर्म करते समय संस्कार विशेष हैं। जिस प्रकार का संस्कार दिया जाता है, उसी के आधार से या ज्ञान से हम उस संस्कार को अपने अंदर विकसित करते हैं। जितना जो सात्विक स्थिति तक पहुंचता है, उतना वह सतोप्रधान प्रकृति वाले शरीर को धारण करता है। अपने आप वह आत्मा उस शरीर की ओर आकर्षित हो जाती है। संस्कार राजसी हैं, तो वह आत्मा रजोप्रधान स्तर पर पहुंचकर, रजो प्रकृति वाला शरीर धारण करती है । जिसके संस्कार तामसिक हैं वह आत्मा तमोप्रधान स्तर पर पहुंचकर तमो प्रकृति वाला शरीर धारण करती है। यह रहस्य केवल ज्ञान रूपी नेत्र वाले योगी ही जानते हैं। जिनके पास ज्ञान के दिव्य चक्षु हैं, वह नेत्र वाले योगी ही जानते हैं और देख सकते हैं, अर्थात् अंतर्चक्षु से उसको देख सकते हैं। पुन: परमात्मा ने अपनी अभिव्यक्ति का वर्णन किया कि इस कल्पवृक्ष में 'मैं सूर्य के समान प्रकाश स्वरूप हूँ, साथ ही चंद्रमा के समान शीतल प्रकाश स्वरूप हूँ और अग्नि की तरह तेजोमय हूँ।' इस पृथ्वी पर पाँच भूतों के शरीर का आधार लेकर मैं सर्व को ज्ञान रूपी सोमरस पिलाते हुए हज़म करने की शक्ति प्रदान करता हूँ। ज्ञान को हज़म करने की शक्ति देता हूँ, सोमरस (सोम माना अमृत) का अमृतपान कराता हूँ, इससे आत्मा परिपक्व अवस्था को प्राप्त कर तृप्त हो जाती है। मैं ही सर्व आत्माओं को अपने वास्तविक स्वरूप की स्मृति दिलाता हूँ और उन्हें ज्ञान-युक्त स्थिति में स्थित करता हूँ। इस नवीन ज्ञानार्जन की प्रक्रिया में पूर्व की मिथ्यायें, धारणायें, दोषों की विस्मृति हो जाती है। जैसे-जैसे ज्ञानार्जन करने की प्रक्रिया आरंभ होती है आत्मा की, वैसे-वैसे मिथ्या धारणायें व दोष विस्मृत होते जाते हैं। इस प्रकार मुझसे ही स्मृति को प्राप्त कर सकते हैं, ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं और इससे जो अज्ञानता है उसकी विस्मृति हो जाती है। परमात्मा में ही वो समर्थी है जो वे स्मृति देते हैं सारे कल्पवृक्ष की, संसार चक्र की, क्षेत्रक, क्षेत्रज्ञ की और स्वयं की। इन सब बातों की स्मृति दिलाते हुए ज्ञान देते हैं और अज्ञान मिथ्या धारणाओं की विस्मृति हो जाती है। अर्थात् जब ज्ञान का उदय होता है तो अज्ञानता का अंधकार समाप्त हो जाता है।

-ब्र.कु.ऊषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

भगवान कहते हैं, इस लोक में शरीर क्षर है और आत्मा अक्षर है। इन दोनों के अतिरिक्त परम पुरुष परमात्मा है जो अविनाशी एवं त्रिलोकीनाथ है। जो आत्मा संशय रहित होकर पुरुषोत्तम परमात्मा को जानती है वह परमात्मा की स्नेह भरी याद में मग्न रहती है। जो इस अति रहस्ययुक्त गोपनीय ज्ञान को समझ लेता है वह मनुष्य ज्ञानवान और कृतार्थ हो जाता है अर्थात् संतुष्ट हो जाता है।

मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें
आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड चैनल'

'Peace of Mind' channel
TATA Sky 1065 airtel 678 FASTWAY GTPL DEN
videocon 497 RELIANCE 640 hathway UCN SITI

FREE DTH
Free to Air
KU Band with MPEG (DVB-S/S2) Receiver
LNB Freq. - 10600/10600
Tans Freq. - 11911
Polarization - Horizontal
Symbol - 44000
22k - On
Satellite - ABS-2; 75° E
Contact
+91 9414151111
+91 8104777111
info@pmtv.in
www.pmtv.in

ख्यालों के आईने में...

'दरिया' बनकर किसी को डुबाना बहुत आसान है, मगर ज़रिया बनकर किसी को बचायें तो कोई बात बने।

कर्म करो तो फल मिलता है,
आज नहीं तो कल मिलता है।
जितना गहरा अधिक हो कुँआ, उतना मीठा जल मिलता है।
जीवन के हर कठिन प्रश्न का, जीवन से ही हल मिलता है।

चंद फासला ज़रूर रखिए हर रिश्ते के दरमियान, क्योंकि नहीं भूलती दो चीज़ें चाहे जितना भुलाओ, एक 'घाव' और दूसरा 'लगाव'।

जिस तरह लोग मुर्दे इंसान को कंधा देना पुण्य समझते हैं, काश उसी तरह ज़िन्दा इंसानों को भी सहारा देना पुण्य समझने लगें तो ज़िन्दगी कितनी आसान हो जायेगी।

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें...

कार्यालय- ओमशान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510, सदस्यता के लिए
सम्पर्क - M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org,
Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम से मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।